Drishti IAS

करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

जुलाई 2024 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- नदी जोड़ो परियोजना 3
- अगले बजट तक सभी योजनाएँ स्थगित 4
- अक्तूबर तक बंद रहेंगे टाइगर रिज़र्व 5
- AI-आधारित फायर डिटेक्शन सिस्टम 6
- मध्य प्रदेश बजट 6
- भोजशाला परिसर में खंडित मूर्तियाँ मिली 7
- लाडली बहना योजना 8
- मध्य प्रदेश में वृक्षारोपण अभियान 8
- अतिक्रमणकारियों से कई हेक्टेयर जंगल मुक्त कराया गया 8
- मध्य प्रदेश ने नए टाइगर रिज़र्व में जाँच शुरू की 9
- नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन 10
- आक्रामक जलीय खरपतवारों का उन्मूलन 11
- ASI ने भोजशाला सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपी 11
- मध्य प्रदेश में क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन 12
- मध्य प्रदेश तीर्थ यात्रा योजना 12
- प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस 13
- मध्य प्रदेश में हिरासत में मौत 13
- आदिवासियों की भील प्रदेश की मांग 14
- राजस्थान अल्पसंख्यक नागरिकता शिविर 14
- पीएम स्वनिधि योजना 15
- मध्य प्रदेश में जाँच के लिये CBI को लिखित सहमति की ज़रूरत 16
- चाँदीपुरा वायरस 16
- जबलपुर निवेशक सम्मेलन 17
- उज्जयिनी मध्याह्न रेखा 18
- मध्य प्रदेश ने प्रोजेक्ट चीता पर RTI जानकारी देने से किया इनकार 18
- मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट 20
- मध्य प्रदेश में कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा प्रबंधों की जाँच 20
- गांधीनगर अभयारण्य में लाए जाएंगे चीते 21
- लाडली बहना लाभार्थियों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर 23
- बेगम बिलकिस का मकबरा वक्फ की संपत्ति नहीं 24

नोट :

मध्य प्रदेश

नदी जोड़ो परियोजना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **मध्य प्रदेश और राजस्थान** के मुख्यमंत्रियों ने **भोपाल में** 72,000 करोड़ रुपए की **पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना** के कार्यान्वयन हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये।

- इस परियोजना का उद्देश्य **दक्षिणी राजस्थान की नदियों** जैसे चंबल **और उसकी सहायक नदियों, जैसे- कुन्नू, पार्वती, कालीसिंध** में बरसात के मौसम में उपलब्ध अतिरिक्त जल का संचयन करना तथा इस जल का उपयोग राज्य के दक्षिण-पूर्वी ज़िलों में करना है, जहाँ पीने व सिंचाई के लिये जल की कमी है।

मुख्य बिंदु:

- इस परियोजना से **राजस्थान के 13 ज़िलों तथा मध्य प्रदेश के** मालवा **और चंबल क्षेत्रों को जल मिलेगा।**
  - इससे **दोनों राज्यों में कम-से-कम 2.8 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई में सहायता मिलेगी,** जिसमें ग्रामीण तालाबों को भी सहायता मिलेगी।
- नदी जोड़ो परियोजना से दोनों राज्यों को लाभ मिलेगा, जिससे राज्यों के बीच संबंध भी मज़बूत होंगे।
- **राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर** से मध्य प्रदेश के उज्जैन के महाकाल शिव मंदिर तक **कॉरिडोर बनाने का भी प्रयास किया जाएगा।**

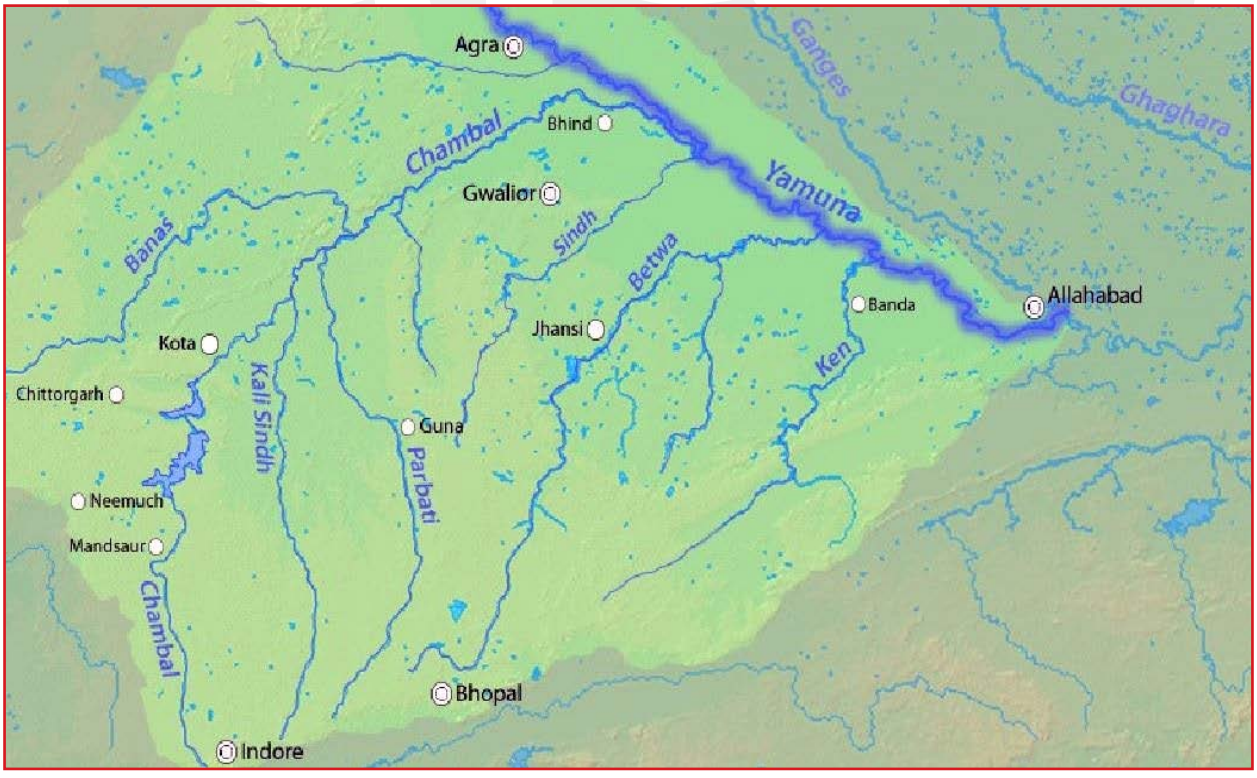

नोट :

चंबल नदी

- इसका उद्गम स्थल विंध्य पर्वत (इंदौर, मध्य प्रदेश) के उत्तरी ढलान पर **स्थित सिंगार चौरी (Singar Chouri) चोटी है।** यहाँ से यह लगभग 346 किमी. तक मध्य प्रदेश में उत्तर दिशा की ओर बहती हुई राजस्थान में प्रवेश करती है। राजस्थान में इस नदी की **कुल लंबाई 225 किमी. है जो इस राज्य के उत्तर-पूर्व दिशा में बहती है।**
- **उत्तर प्रदेश** में इस नदी की कुल लंबाई लगभग 32 किमी. है जो इटावा में यमुना नदी में मिल जाती है।
- यह एक वर्षा आधारित नदी है, जिसका **बेसिन विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं और** अरावली **से घिरा हुआ है।** चंबल तथा उसकी सहायक नदियाँ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में बहती हैं।
- राजस्थान में **हाडौती/हाड़ौती का पठार** (Hadauti Plateau) चंबल नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र **मेवाड़ मैदान** के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।
- **सहायक नदियाँ:** बनास, काली सिंध, क्षिप्रा, पार्वती आदि।
- **चंबल नदी की मुख्य विद्युत परियोजनाएँ/बाँध:** गांधी सागर बाँध, राणा प्रताप सागर बाँध, **जवाहर सागर बाँध और कोटा बैराज।**
- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-जंक्शन पर चंबल नदी के किनारे स्थित है।
- यह स्थान गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल, रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल **और लुप्तप्राय** गंगा नदी डॉल्फिन के लिये जाना जाता है।

अगले बजट तक सभी योजनाएँ स्थगित

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अनुसार, आगामी बजट **3 जुलाई, 2024 में चल रही योजनाओं** को जारी रखा जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- अधिकारियों के अनुसार सत्र में 14 बैठकें होंगी, जो 3 जुलाई से शुरू होंगी और 19 जुलाई, 2024 को समाप्त होंगी।
- **कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले** और फसलों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।
  - केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) कई नर्सिंग **कॉलेजों के कामकाज में घोर अनियमितताओं** से संबंधित कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जाँच कर रहा है, जिनमें **बुनियादी ढाँचे की कमी** थी जबकि कुछ **केवल कागज़ पर ही मौजूद** थे।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (Minimum Support Price- MSP)

- MSP वह **गारंटीकृत राशि** है जो **सरकार द्वारा किसानों की उपज खरीदने पर** उन्हें दी जाती है।
- MSP कृषि लागत और मूल्य आयोग (Commission for Agricultural Costs and Prices- **CACP**) की सिफारिशों पर आधारित है, जिसमें उत्पादन की **लागत, मांग तथा आपूर्ति, बाज़ार मूल्य प्रवृत्तियों, अंतर-फसल मूल्य समता आदि** जैसे विभिन्न कारकों पर विचार किया जाता है।
  - CACP **कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय** का एक संलग्न कार्यालय है। यह जनवरी 1965 में अस्तित्व में आया।
- भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली **आर्थिक कार्य की कैबिनेट समिति** (Cabinet Committee on Economic Affairs- **CCEA**) **MSP के स्तर पर अंतिम निर्णय (अनुमोदन)** लेती है।
- MSP का उद्देश्य उत्पादकों को उनकी **उपज के लिये लाभकारी मूल्य** सुनिश्चित करना और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (Central Bureau of Investigation- CBI)

- यह भारत की प्रमुख अन्वेषण पुलिस एजेंसी है।
  - यह केंद्रीय सतर्कता आयोग और लोकपाल को सहायता प्रदान करती है।

नोट :

- यह **भारत सरकार के कार्मिक, पेंशन और लोक शिकायत मंत्रालय के कार्मिक विभाग** के अधीक्षण में कार्य करता है- जो प्रधानमंत्री कार्यालय के अंतर्गत आता है।
  - हालाँकि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत अपराधों की जाँच के लिये इसका अधीक्षण केंद्रीय सतर्कता आयोग के पास है।
- यह भारत में नोडल पुलिस एजेंसी भी है जो इंटरपोल सदस्य देशों की ओर से जाँच का समन्वय करती है।
- इसकी दोषसिद्धि दर 65 से 70% तक है और यह विश्व की सर्वश्रेष्ठ जाँच एजेंसियों के बराबर है।

अक्तूबर तक बंद रहेंगे टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों ?

सूत्रों के अनुसार, **मध्य प्रदेश के छह** टाइगर रिज़र्व ने अपने मुख्य क्षेत्रों को **आम जनता और पर्यटकों के लिये बंद** कर दिया है। इस मौसमी बंद से प्रभावित रिज़र्व में बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, सतपुड़ा, पन्ना और संजय-दुबरी शामिल हैं।

मुख्य बिंदु:

- राष्ट्रीय उद्यानों के बंद होने का एक मुख्य कारण यह है कि मानसून का मौसम बाघों और बाघिनों के लिये एक महत्त्वपूर्ण समय होता है क्योंकि इस काल ये संसर्ग करते हैं तथा एकांत पसंद करते हैं
  - इस अवधि के दौरान कोई भी व्यवधान इन शानदार जानवरों को आक्रामक बना सकता है।
  - अबाधित परिवेश सुनिश्चित करना स्वस्थ बाघ की संख्या को बनाए रखने और इनके संरक्षण प्रयासों का समर्थन करने के लिये आवश्यक है।

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान:

- **बंगाल टाइगर** की उच्च जीवसंख्या घनत्व के लिये प्रसिद्ध **बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान** भारत में **सबसे लोकप्रिय बाघ अभयारण्यों में से एक** है। इसमें **तेंदुए, हिरण और कई पक्षी प्रजातियों** जैसे कई **अन्य** वन्यजीव प्रजातियाँ भी निवास करती हैं।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान:

- अपने वन्यजीव विविधता और हरे-भरे परिदृश्यों के लिये प्रसिद्ध, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान ने **रुडयार्ड किपलिंग** की '***द जंगल बुक***' को प्रेरित किया। यह **बंगाल टाइगर्स** की बहुत बड़ी आबादी के साथ-साथ बारहसिंगा (स्वाम्प हिरण) एवं **हिरणों की अन्य प्रजातियों** के लिये प्रसिद्ध है।

पेंच राष्ट्रीय उद्यान:

- मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित **पेंच राष्ट्रीय उद्यान** अपने **घने वनों तथा वन्यजीव विविधता के लिये प्रसिद्ध** है। आगंतुक यहाँ **बाघ, तेंदुए, स्लॉथ बियर्स** एवं **विभिन्न प्रकार के पक्षी की प्रजातियों** को देख सकते हैं।

सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान:

- इसकी विशेषता इसकी ऊबड़-खाबड़ भूमि, **गहरी घाटियाँ और घने वन** हैं। यह जीप सफारी, नाव की सवारी तथा पैदल यात्रा के माध्यम से वन-भ्रमण करने का एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है, जिससे पर्यटकों को बाघ, तेंदुए एवं स्लॉथ बियर्स जैसे वन्यजीवों को देखने का मौका मिलता है।

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान:

- यह बाघ संरक्षण में अपने प्रयासों के लिये प्रसिद्ध है और इन शानदार बिग कैट (बड़ी बिल्लियों) की एक बड़ी आबादी का आवास है। इस पार्क में समृद्ध जैवविविधता भी है, जिसमें **हिरण, मृग एवं पक्षियों की विभिन्न प्रजातियाँ** शामिल हैं।

संजय राष्ट्रीय उद्यान:

- **छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश सीमा क्षेत्र** में स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान अपने प्राचीन वनों और विविध वनस्पतियों एवं जीवों के लिये जाना जाता है। यह **संजय-दुबरी टाइगर रिज़र्व का एक हिस्सा** है और **बाघों, तेंदुओं तथा अन्य वन्यजीवों के लिये आवास** प्रदान करता है।

नोट :

AI-आधारित फायर डिटेक्शन सिस्टम

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में पेंच टाइगर रिज़र्व (PTR) ने वनाग्नि का शीघ्र पता लगाने के लिये एक उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित प्रणाली शुरू की है।

मुख्य बिंदु:

- इस नई प्रणाली में 15 किलोमीटर की दृश्य सीमा वाला **उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरा** लगा है, जो प्रभावी रूप से रिज़र्व के 350 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को कवर करता है।
- AI-संचालित प्लेटफॉर्म, जिसे **पैन्टेरा** के नाम से जाना जाता है, **कैमरा फीड और उपग्रह-आधारित डेटा** दोनों का लाभ उठाकर तीन मिनट के भीतर **वनाग्नि** की **वास्तविक समय चेतावनी प्रदान करता है।**
  - यह प्रणाली **तापमान, वर्षा, वायु आदि से संबंधित मौसम संबंधी आँकड़े भी प्राप्त करती है** तथा पिछली वनाग्नि के आँकड़ों का विश्लेषण करके, यह प्रणाली अल्पावधि में संभावित भविष्य की वनाग्नि का पूर्वानुमान लगाती है, जिससे वनाग्नि पर **नियंत्रण की योजना बनाने में सहायता मिलती है।**

पेंच टाइगर रिज़र्व (PTR)

- PTR **मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र दोनों का संयुक्त गौरव है।**
- यह अभ्यारण्य **मध्य प्रदेश के सिवनी और छिंदवाड़ा ज़िलों में सतपुड़ा पहाड़ियों के दक्षिणी छोर पर स्थित है** तथा **महाराष्ट्र के नागपुर ज़िले** में एक अलग अभयारण्य के रूप में विस्तृत है।
  - इसे वर्ष 1975 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया तथा वर्ष 1992 में इसे बाघ अभयारण्य का दर्जा दिया गया।
  - हालाँकि **वर्ष 1992-1993 में PTR मध्य प्रदेश को भी यही दर्जा दिया गया था।** यह **सेंट्रल हाइलैंड्स के सतपुड़ा-मैकल पर्वतमाला के प्रमुख संरक्षित क्षेत्रों में से एक है।**
- यह **भारत के महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्रों (IBA)** के रूप में अधिसूचित स्थलों में से एक है।
  - IBA बर्डलाइफ इंटरनेशनल का एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य विश्व के पक्षियों और उनसे संबंधित विविधता के **संरक्षण हेतु IBA के वैश्विक नेटवर्क की पहचान, निगरानी एवं सुरक्षा** करना है

मध्य प्रदेश बजट

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने **राज्य विधानसभा में 3.65 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया।**

मुख्य बिंदु:

- **बजट की मुख्य बातें:**
  - **महिला एवं बाल विकास के लिये 26,560 करोड़ रुपए** का प्रावधान किया गया है जबकि पिछले बजट से 81% अधिक राशि का आवंटन किया गया था
  - **स्वास्थ्य क्षेत्र** में सरकार ने **21,444 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।**
  - **नीमच, मंदसौर और सिवानी ज़िलों** में तीन **चिकित्सा विश्वविद्यालय** स्थापित किये जायेंगे।
  - रोडवेज के लिये सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।
  - प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 1,000 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।
  - प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 520 करोड़ रुपए का प्रावधान है।

नोट :

- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिये 50 करोड़ रुपए का प्रावधान
- **वन एवं पर्यावरण के लिये 4,725 करोड़ रुपए** का प्रावधान।
- केन-बेतवा लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 44,605 करोड़ रुपए है। यह परियोजना **बुंदेलखंड क्षेत्र** के लोगों के लिये वरदान साबित होगी।
- **शिक्षा** के लिये सरकार ने **22,600 करोड़ रुपए आवंटित** किये हैं।
- **खेल एवं युवा कल्याण विभाग** के लिये सरकार ने **586 करोड़ रुपए आवंटित** किये हैं।
- राज्य में **गौशालाओं** के लिये बजट 2024-25 में **250 करोड़ रुपए** का प्रावधान किया गया है।
- **संस्कृति विभाग के लिये 1,081 करोड़ रुपए** तथा **पर्यटक सुविधाओं के लिये 666 करोड़ रुपए का बजट** प्रावधान प्रस्तावित है।
- **सिंचाई परियोजनाओं** के निर्माण एवं रखरखाव के लिये **13,596 करोड़ रुपए** का प्रावधान प्रस्तावित किया गया।
- **पंचायत एवं ग्रामीण विकास** के लिये **27,870 करोड़ रुपए** का बजट प्रावधान प्रस्तावित है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में निम्नलिखित योजनाओं के तहत 57 लाख से अधिक लाभार्थियों को लाभ मिला है:

- राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, राष्ट्रीय विकलांग पेंशन योजना, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, **समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना,** मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना आदि।

भोजशाला परिसर में खंडित मूर्तियाँ मिली

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के धार ज़िले में भोजशाला/कमाल मौला मस्जिद परिसर की स्थापना के लिये भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India- ASI) द्वारा किये गए सर्वेक्षण के दौरान 39 खंडित मूर्तियों सहित 1,710 अवशेष पाए गए।

मुख्य बिंदु:

- हिंदू पक्ष **ASI द्वारा संरक्षित 11वीं शताब्दी के स्मारक** भोजशाला को **वाग्देवी (देवी सरस्वती) को समर्पित** मंदिर मानते हैं, जबकि **मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहते हैं।**
- 7 अप्रैल, 2003 को ASI द्वारा की गई व्यवस्था के अनुसार, हिंदू मंगलवार को भोजशाला परिसर में पूजा करते हैं, जबकि मुसलमान शुक्रवार को इसी परिसर में नमाज अदा करते हैं।
- **उच्च न्यायालय** ने 11 मार्च, 2024 को **ASI को छह सप्ताह के भीतर** भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर का **"वैज्ञानिक सर्वेक्षण" करने का आदेश** दिया था।
- वहाँ जो मूर्तियाँ प्राप्त हुईं उनमें **वाग्देवी (सरस्वती), महिषासुर मर्दिनी, गणेश, कृष्ण, महादेव, ब्रह्मा और हनुमान की मूर्तियाँ** शामिल हैं।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India- ASI)

- संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत ASI, देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
- **यह राष्ट्रीय महत्त्व के 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और अवशेषों का प्रबंधन** करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण एवं रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी **स्थापना वर्ष 1861 में** ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को **"भारतीय पुरातत्त्व के जनक"** के रूप में भी जाना जाता है

नोट :

लाडली बहना योजना

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अनुसार, लाडली बहना योजना की 14वीं किस्त लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी गई है।

मुख्य बिंदु

- इस योजना के तहत **सरकार महिलाओं को प्रतिमाह 1250 रुपए देगी**
- यह योजना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा **वर्ष 2023 में शुरू की गई है**
- **इसका उद्देश्य महिलाओं के लिये वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देना, उनके स्वास्थ्य और पोषण में निरंतर सुधार करना है**
- जिससे **परिवार के स्तर पर निर्णय लेने में महिलाओं की प्रभावी भूमिका को भी बढ़ावा मिलेगा।**

मध्य प्रदेश में वृक्षारोपण अभियान

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **मध्य प्रदेश** के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने **'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत राज्य में 5.5 करोड़ वृक्ष लगाए जाएंगे।**

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री ने **अपनी दिवंगत माँ के नाम पर आँवले का पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत** की।

वृक्ष प्रत्यारोपण

- **वृक्ष प्रत्यारोपण या पुन:रोपण, किसी कृषि क्षेत्र या बगीचे में** किसी वृक्ष को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया है।
- **वृक्षों के प्रत्यारोपण** से वृक्षों को लंबे समय तक बढ़ने का अवसर मिलता है।
  - वृक्षों को पहले घर के अंदर उगाया जा सकता है, फिर यदि मौसम की स्थिति उपयुक्त हो तो **बाहर** भी उगाया जा सकता है।
- **वृक्ष कुदाल मशीन (Tree Spade, Machine)** एक विशेष प्रकार की मशीन है जो बड़े वृक्षों के प्रत्यारोपण को यंत्रीकृत करती है।
  - बड़े वृक्षों के लिये जड़ों को खोदना, लपेटना या बॉक्स में बंद करना तथा फिर ट्रक द्वारा परिवहन करना आवश्यक हो सकता है।
- अक्तूबर 2020 में, दिल्ली सरकार ने शहर में विकास कार्यों के कारण **वृक्षों की कटाई को रोकने के लिये वृक्ष प्रत्यारोपण नीति को मंज़ूरी दी थी।**
  - नीति के तहत संबंधित एजेंसियों को परियोजनाओं से प्रभावित 80 प्रतिशत वृक्षों को नए स्थान पर प्रत्यारोपित करने को कहा गया है।
  - इस नीति के तहत, वृक्षों को जड़ सहित खोदने के अलावा 10 वृक्षों का प्रत्यारोपड़ किया जाना हैं तथा उसे काटने के बजाय वैज्ञानिक तरीके से दूसरे स्थान पर रोपित किया जाना है।
  -

अतिक्रमणकारियों से कई हेक्टेयर जंगल मुक्त कराया गया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में खंडवा वन विभाग ने कहा कि उन्होंने लगभग 100 हेक्टेयर वन को पुन: प्राप्त कर लिया है, जिस पर **कृषि उद्देश्यों के लिये व्यक्तियों द्वारा** अतिक्रमण किया गया था।

नोट :

- **वन को पुन: प्राप्त करने के लिये विभाग** ने बड़ी संख्या में वृक्षों को काटकर **अतिक्रमणकारियों द्वारा उगाई गई फसलों को नष्ट कर दिया।**

मुख्य बिंदु

- अवैध फसलों को नष्ट करने और खेतों को समतल करने के लिये मृदा हटाने वाली मशीनों तथा ट्रैक्टरों का उपयोग किया गया।
- अधिकारी के अनुसार, अगले कुछ दिनों में शेष हिस्सों को साफ कर दिया जाएगा, जिसके बाद वहाँ **बीज-गेंदें लगाकर और वायर फेंसिंग लगाकर वन को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जाएगा।**
- इन अतिक्रमित वनों का उपयोग सोयाबीन **और मक्का की फसलों की खेती** के लिये किया गया, जिसके परिणामस्वरूप **वन पारिस्थितिकी तंत्र को काफी नुकसान पहुँचा है।**

अतिक्रमण

- अतिक्रमण का आशय **किसी और की संपत्ति का अनधिकृत उपयोग** अथवा कब्ज़ा करने से है। सामान्यत: परित्यक्त अथवा अप्रयुक्त संपत्तियों के रखरखाव में सक्रिय रूप से शामिल नहीं होने की स्थिति में संपत्ति स्वामी की संपत्ति पर अतिक्रमण कर लिया जाता है। **संपत्ति के स्वामियों** को ऐसे मामलों से संबंधित **विधिक प्रक्रिया** और अपने अधिकारों **के बारे में जागरूक होना अत्यावश्यक है।**
- शहरी अतिक्रमण का तात्पर्य शहरी क्षेत्रों में भूमि अथवा संपत्ति के **अनधिकृत कब्ज़े** अथवा उपयोग से है।
- इसमें उचित अनुमति अथवा कानूनी अधिकारों के बिना **संपत्ति पर अवैध निर्माण, कब्ज़ा अथवा किसी अन्य प्रकार का कब्ज़ा** शामिल हो सकता है।

सोयाबीन की फसल

- सोयाबीन भारत में **खरीफ की फसल** है।
- सोयाबीन (ग्लाइसिन मैक्स) विश्व की सबसे महत्त्वपूर्ण बीज फली है, जो **वैश्विक खाद्य तेल में 25% का** योगदान देती है, पशुधन आहार के लिये विश्व प्रोटीन सांद्रण का लगभग दो तिहाई है तथा **मुर्गी और मछली के लिये तैयार आहार में एक मूल्यवान घटक है।**
- यह मुख्य रूप से वर्टिसोल और संबद्ध मृदा में वर्षा आधारित फसल के रूप में उगाया जाता है, जहाँ फसल के मौसम में औसत वर्षा 900 मिमी होती है।
- **भारत में प्रमुख उत्पादक राज्य:** मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक।

मध्य प्रदेश ने नए टाइगर रिज़र्व में जाँच शुरू की

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार ने नव स्थापित वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिज़र्व में बाघों के कथित शिकार **और अनियमितताओं** की जाँच शुरू की है।

प्रमुख बिंदु:

- **बाघ संरक्षण, बाघ सफारी और रिज़र्व में वन भूमि के प्रशासन के बारे में गंभीर लापरवाही की शिकायत** के बाद वन विभाग द्वारा यह जाँच शुरू की गई थी।
- **नौरादेही अभयारण्य** के बारा बीट क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर **अवैध रूप से वृक्षों की कटाई और लकड़ी का परिवहन** भी किया जा रहा है।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिज़र्व

- यह **राज्य का सातवाँ** और **भारत का 54वाँ बाघ अभयारण्य** है।
- यह **मध्य प्रदेश के सागर, दमोह और नरसिंहपुर ज़िलों** में 2,339 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।
- रिज़र्व का कुछ हिस्सा नर्मदा **और** यमुना नदी बेसिन के अंतर्गत आता है तथा **सिंगोरगढ़ किला** रिज़र्व के भीतर स्थित है।

नोट :

नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य

- नौरादेही अभयारण्य मध्य प्रदेश के **सागर ज़िले** में स्थित है।
- नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य को चीतों **के लिये सबसे उपयुक्त क्षेत्र पाया गया है**, क्योंकि ये वन इतने सघन नहीं हैं कि सबसे तेज़ गति से दौड़ने वाले स्थलीय जीव अर्थात् चीतों की तीव्र गति बाधित हो।
  - इसके अतिरिक्त, इस अभयारण्य में चीतों के लिये प्रचुर मात्रा में शिकार उपलब्ध है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से यह **मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा वन्यजीव अभ्यारण्य है।**
- यह राज्य के मध्य में स्थित है और सागर, दमोह, नरसिंहपुर तथा रायसेन ज़िलों के कुछ हिस्सों को कवर करता है।
- यह संरक्षित क्षेत्र भारत की **दो प्रमुख नदी घाटियों,** नर्मदा **और** गंगा **के तट पर स्थित है।**

नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल** ने राज्य विधानसभा में **केंद्र प्रायोजित योजना** 'राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन' (NEVA) के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी।

मुख्य बिंदु:

- डिजिटल इंडिया पहल के तहत, भारत सरकार ने देश की **सभी विधानसभाओं को कागज़ रहित प्रारूप में परिवर्तित करने** और उन्हें एक मंच पर एकीकृत करने के लिये केंद्र प्रायोजित **'नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन'** योजना शुरू की है।
  - योजना **कार्यान्वयन लागत का 60% हिस्सा भारत सरकार और 40% हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।**
- विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों, आश्रमों एवं सामुदायिक कल्याण केंद्रों में निवासरत विद्यार्थियों को अनुसूचित जाति कल्याण/जनजातीय कार्य विभाग द्वारा निर्धारित छात्रवृत्ति दरों के अनुसार युक्तिकरण।
  - लड़कों के लिये वर्तमान मासिक छात्रवृत्ति 1230 रुपए से बढ़ाकर 1550 रुपए तथा लड़कियों के लिये 1270 रुपए से बढ़ाकर 1590 रुपए प्रति माह की जाएगी।
- मंत्रिपरिषद ने नर्मदा घाटी विकास विभाग की 9,271.96 करोड़ रुपए की लागत की सात परियोजनाओं के लिये निविदाएँ आमंत्रित करने की स्वीकृति दी।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम

- भारत सरकार ने **वर्ष 2015 में भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज व ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में परिवर्तित** करने के उद्देश्य से डिजिटल इंडिया कार्यक्रम शुरू किया था।
- इसके **प्रमुख उद्देश्यों में** डिजिटल बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना, डिजिटल सेवाएँ प्रदान करना और डिजिटल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना शामिल है।

विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति (De-Notified, Nomadic And Semi-Nomadic Tribes)

- ये वे समुदाय हैं जो सबसे **ज़्यादा कमज़ोर और वंचित** हैं।
- DNT वे समुदाय हैं जिन्हें ब्रिटिश शासन के दौरान **आपराधिक जनजाति अधिनियम, 1871** से शुरू होने वाले कई कानूनों के तहत **'जन्मजात अपराधी' के रूप में 'अधिसूचित'** किया गया था।
  - इन अधिनियमों को स्वतंत्र **भारतीय सरकार ने वर्ष 1952 में निरस्त कर दिया था और इन समुदायों को "विमुक्त"** कर दिया गया था।

नोट :

- इनमें से कुछ समुदाय जिन्हें विमुक्त के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, वे घुमक्कड़ भी थे।
  - घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ समुदायों को उन लोगों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो हर समय एक ही स्थान पर रहने के बजाय एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहते हैं।
- ऐतिहासिक रूप से घुमक्कड़ जनजातियों और विमुक्त जनजातियों के पास कभी भी निजी भूमि या घर के स्वामित्व तक पहुँच नहीं थी।
- जबकि अधिकांश DNT अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) **और** अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) **श्रेणियों** में फैले हुए हैं, कुछ DNT किसी भी SC, ST या OBC श्रेणी में शामिल नहीं हैं।

आक्रामक जलीय खरपतवारों का उन्मूलन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **साइरटोबैगस साल्विनिया नामक एक बाह्य प्रजाति के बीटल** ने मध्य प्रदेश के बैतूल ज़िले में तवा नदी पर बने **सारणी जलाशय (सतपुड़ा बाँध)** से एक **आक्रामक खरपतवार प्रजाति**, साल्विनिया मोलेस्टा को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है।

मुख्य बिंदु:

- जबलपुर स्थित **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय (ICAR-DWR)** के वैज्ञानिकों ने खुलासा किया कि साइरटोबैगस साल्विनिया, एक ब्राज़ीलियाई जैव कारक जो विशेष रूप से **साल्विनिया मोलेस्टा को लक्षित करता है**, को गहन शोध और आवश्यक सरकारी अनुमोदन के बाद भारत में आयात किया गया था।

साल्विनिया मोलेस्टा (Salvinia molesta)

- यह एक **जलीय फर्न** है जो **दक्षिण-पूर्वी ब्राज़ील** में पाया जाता है। इसे विशाल साल्विनिया या करिबा खरपतवार के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि इसने **ज़िम्बाब्वे और ज़ाम्बिया के बीच करिबा झील** के एक बड़े क्षेत्र को दूषित कर दिया था।
- साल्विनिया की विशेषताओं में **छोटे, शाखाओं वाले, तैरते हुए तने** शामिल हैं, जिनमें पत्ती की सतह पर रोम होते हैं, लेकिन **कोई मूल जड़ नहीं होती** है।
- **पत्तियाँ त्रिगुणित चक्रों में व्यवस्थित होती हैं,** जिसमें एक **पत्ती बारीक विभाजित, जड़ जैसी और लटकती हुई** होती है, जबकि **शेष अन्य दो हरी, अवृंत या छोटी-पेटियोलेट एवं सपाट** होती हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (Indian Council of Agricultural Research- ICAR)

- **यह कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (DARE), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय** के तहत एक स्वायत्त संगठन है।
- इसकी स्थापना **16 जुलाई, 1929** को हुई थी और इसे पहले **इंपीरियल काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च** के नाम से जाना जाता था।
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में है।
- यह पूरे देश में बागवानी, मत्स्य पालन और पशु विज्ञान सहित कृषि में अनुसंधान तथा शिक्षा के समन्वय, मार्गदर्शन एवं प्रबंधन के लिये सर्वोच्च निकाय है।

ASI ने भोजशाला सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India- ASI) ने विवादित भोजशाला-कमाल-मौला मस्जिद परिसर की **वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट मध्य प्रदेश** उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ को सौंपी।

मुख्य बिंदु:

- सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में परमार वंश/काल **(9वीं से 11वीं शताब्दी के बीच)** की मध्यकालीन संरचना के अवशेष हैं। इस स्थल का **निर्माण और विकास राजा भोज ने धार ज़िले में किया था।**

नोट :

- लगभग 98 दिनों तक चले सर्वेक्षण में लगभग **1700 अवशेष और अन्य साक्ष्य** सामने आए।
  - खोजी गई नक्काशी में विविध प्रकार की छवियाँ शामिल थीं, जिनमें **देवताओं की अपवित्र मूर्तियाँ, कलाकृतियाँ और अन्य अवशेष (मानव एवं पशु आकृतियाँ)** शामिल थीं।
  - रिपोर्ट में कहा गया है कि **भोजशाला की मौजूदा संरचना मूलत: एक मंदिर थी तथा यह साहित्यिक और शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र** भी थी।
- **हिंदू समुदाय भोजशाला** को वाग्देवी (देवी सरस्वती) को समर्पित **मंदिर** मानते है, जबकि **मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहते है।**

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India- ASI)

- संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
- यह **3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन** करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण एवं रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी **स्थापना वर्ष 1861 में** ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्त्व का जनक" भी कहा जाता है।

मध्य प्रदेश में क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

सूत्रों के अनुसार, **मध्य प्रदेश सरकार** आगामी महीनों में राज्य के विभिन्न शहरों में क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन (Regional Industrial Conclaves- RIC) आयोजित करने जा रही है।

मुख्य बिंदु:

- मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (Madhya Pradesh Industrial Development Corporation- MPIDC) के अनुसार, जबलपुर के बाद **ग्वालियर, रीवा और सागर** में भी क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन (RIC) कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।
- इसके अतिरिक्त, **इंदौर में एक टेक्सटाइल सम्मलेन की योजना** बनाई गई है तथा भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण इकाइयों पर केंद्रित एक सम्मलेन आयोजित किया जाएगा।
- अधिकारियों के अनुसार, लगातार अनेक वर्षों तक इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (Global Investors Summit- GIS) आयोजित करने के बाद, राज्य सरकार ने अब इसे **राजधानी भोपाल** में आयोजित करने का निर्णय लिया है।

मध्य प्रदेश तीर्थ यात्रा योजना

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **वरिष्ठ नागरिकों के लिये सरकार की तीर्थ यात्रा योजना** का विस्तार करने और राज्य के धार्मिक स्थलों को इसमें शामिल करने के निर्देश दिये हैं।

मुख्य बिंदु:

- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, जिसके तहत लोग देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करते हैं, वर्ष 2012 में शुरू की गई थी।
- **मध्य प्रदेश के अधिकांश लोग राज्य की भौगोलिक बनावट के कारण विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करने में असमर्थ हैं,** जिससे वे अपने राज्य की अनूठी विशेषताओं से अनभिज्ञ रह जाते हैं।

नोट :

- इस **योजना का विस्तार किया जाना चाहिये** जिससे **वरिष्ठ नागरिक न केवल देश भर के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों,** बल्कि मध्य प्रदेश के उल्लेखनीय धार्मिक स्थलों के दर्शन भी कर सकें।

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि:
  - **मेधावी विद्यार्थियों को** ऐतिहासिक महत्त्व के **महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराने की सुविधा प्रदान करने** के लिये एक योजना तैयार करें।
  - **जनजातीय बहुल क्षेत्रों के लोक कलाकारों को पर्यटन स्थलों तक आने का अवसर** प्रदान करना, जहाँ वे **अपनी कला का प्रदर्शन** कर सकें।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

- इसे **जून 2012** में मध्य प्रदेश सरकार के धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग द्वारा **शुरू** किया गया था।
- इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार **राज्य के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों (महिलाओं के लिये 2 वर्ष की छूट) को राज्य से बाहर निर्धारित तीर्थ यात्रा के लिये एकमुश्त सहायता** प्रदान करती है।
- इस योजना में राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को **मुफ्त यात्रा** की सुविधा दी जाती है।
  - तीर्थयात्रियों को विशेष रेलगाड़ी से यात्रा, नाश्ता, भोजन, शुद्ध पेयजल, तीर्थ स्थानों पर ठहरने आदि की व्यवस्था की जाती है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा **मध्य प्रदेश के सभी 55 ज़िलों** में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **मध्य प्रदेश** नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 **लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है।**
  - ये कॉलेज राज्य सरकार द्वारा **नई शिक्षा नीति** 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिये शुरू किये गए हैं।
  - NEP को केवल **डिग्री प्रदान करने के बजाय युवाओं के समग्र विकास** पर ध्यान केंद्रित करने के लिये पेश किया गया था।
- इसमें **अकादमिक विषयों और जीवन कौशल दोनों को पढ़ाना** शामिल है। छात्रों में पारंपरिक सोच के बजाय कुछ नया सोचने को प्रोत्साहित करने पर ज़ोर दिया जाता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति** 2020 का उद्देश्य भारत की उभरती विकास आवश्यकताओं से निपटना है।
  - इसमें **शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव,** इसके **नियमन और प्रबंधन** की मांग की गई है, ताकि एक आधुनिक प्रणाली स्थापित की जा सके, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत तथा मूल्यों का सम्मान करते हुए सतत् विकास लक्ष्य 4 (SDG4) सहित 21वीं सदी के शैक्षिक लक्ष्यों के अनुरूप हो।
- यह 34 वर्ष पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, जिसे वर्ष 1992 में संशोधित किया गया था (NPE 1986/92) का स्थान लेती है।

मध्य प्रदेश में हिरासत में मौत

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के **गुना ज़िले** में **पारधी आदिवासी समुदाय** ने एक आदिवासी व्यक्ति की **पुलिस हिरासत में कथित मौत** के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

मुख्य बिंदु

- हिरासत में मौत वह **है जो किसी व्यक्ति की कानून प्रवर्तन अधिकारियों की हिरासत** में या सुधारात्मक सुविधा में होने पर होती है।

नोट :

- यह **विभिन्न कारणों से हो सकती है, जैसे अत्यधिक बल का प्रयोग, उपेक्षा** या अधिकारियों द्वारा **दुर्व्यवहार।**
- भारतीय विधि आयोग के अनुसार, गिरफ्तार या हिरासत में लिये गए व्यक्ति के विरुद्ध किसी लोक सेवक द्वारा किया गया अपराध हिरासत में हिंसा के समान है।

पारधी जनजाति

- यह ज़्यादातर **महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ भागों में पाया जाता है।**
- पारधी शब्द **मराठी शब्द 'परध' जिसका अर्थ है शिकार करना** और **संस्कृत शब्द 'पापर्धी' जिसका अर्थ है शिकार किया जाने वाला शिकार।**
- वे **राजस्थानी और गुजराती की मिश्रित बोलियाँ** बोलते हैं, मुख्यत: **वागड़ी और पारधी भाषाएँ।**
  - ये भाषाएँ **पश्चिमी इंडो-आर्यन भाषा समूह** की भील भाषाओं में वर्गीकृत हैं।

आदिवासियों की भील प्रदेश की मांग

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राजस्थान के आदिवासी समुदाय** ने **'भील प्रदेश'** नामक एक नए राज्य के **निर्माण की मांग** की है।

मुख्य बिंदु

- आदिवासी समाज **राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के 49 ज़िलों को मिलाकर** एक नए राज्य के निर्माण की मांग कर रहा है।
  - इसके अतिरिक्त, **राजस्थान के पूर्व 33 ज़िलों में से 12 ज़िलों को नये राज्य में शामिल करने का अनुरोध** किया गया है।
- भील समुदाय **के सबसे बड़े समूह आदिवासी परिवार** सहित **35 संगठनों** ने एक विशाल रैली का आयोजन किया।
  - बाँसवाड़ा के **मानगढ़ धाम में आयोजित बैठक** में मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से भी आदिवासी लोग एकत्रित हुए।

भील समुदाय

- भील **सबसे बड़े जनजातीय समूहों में से एक** हैं, जो छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में रहते हैं।
- यह नाम 'बिल्लू' शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है धनुष।
- भील लोग उत्कृष्ट तीरंदाज़ माने जाते हैं तथा उन्हें **स्थानीय भूगोल का भी गहरा ज्ञान** है।
- परंपरागत रूप से गुरिल्ला युद्ध में माहिर, आज उनमें से ज़्यादातर किसान और खेतिहर मज़दूर हैं। वे कुशल मूर्तिकार भी हैं।
- भील **महिलाएँ पारंपरिक साड़ी पहनती हैं** जबकि **पुरुष लंबी फ्रॉक और पायज़ामा पहनते हैं। महिलाएँ चाँदी, पीतल से बने भारी आभूषण पहनती हैं,** साथ ही मोतियों की माला एवं चाँदी के सिक्के तथा झुमके भी पहनती हैं।

राजस्थान अल्पसंख्यक नागरिकता शिविर

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने के लिये विशेष **शिविर** आयोजित करने जा रही है।

मुख्य बिंदु

- अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यक शरणार्थियों को **भारतीय नागरिकता देने के नियम तथा प्रक्रियाएँ सरल कर दी गई हैं।** अब जिला कलेक्टरों को नागरिकता प्रमाण-पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया है।
- सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2016 से 2024 तक **राज्य में 2,329 लोगों को नागरिकता प्रदान की गई है।**
- वर्तमान में **कुल 1,566 आवेदन लंबित हैं।** इनमें से 300 मामलों में आसूचना ब्यूरो (इंटेलिजेंस ब्यूरो) की रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

नोट :

नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019

- नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 का उद्देश्य नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन करना है।
- नागरिकता संशोधन अधिनियम (Citizenship Amendment ACT- CAA) **पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से 31 दिसंबर, 2014** को या उससे पहले भारत में प्रवेश करने वाले छह गैर-मुस्लिम समुदायों **(हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी एवं ईसाई)** को धर्म के आधार पर नागरिकता प्रदान करता है।
- यह विधेयक **छह समुदायों** के सदस्यों को विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट अधिनियम, 1920 के तहत किसी भी आपराधिक मामले से छूट देता है।
  - दोनों अधिनियमों में देश में **अवैध रूप से प्रवेश करने** तथा **समाप्त हो चुके वीज़ा और परमिट** पर यहाँ रहने के लिये दंड का प्रावधान किया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार, **मध्य प्रदेश** ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में **'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य' श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया है।**

मुख्य बिंदु:

- मध्य प्रदेश के बाद **असम को 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य- नवाचार और सर्वोत्तम अभ्यास पुरस्कार' श्रेणी में दूसरा स्थान दिया गया है।**
  - **'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शहरी स्थानीय निकाय- मेगा और मिलियन प्लस शहरों के साथ ऋण प्रदर्शन' श्रेणी** में दिल्ली नगर निगम (Municipal Corporation of Delhi- MCD) को पहला स्थान प्राप्त हुआ है, **उसके बाद बृहत बंगलूरू महानगर पालिका (Bruhat Bengaluru Mahanagara Palike- BBMP) तथा अहमदाबाद नगर निगम का स्थान है।**
- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के लिये पुरस्कारों की भी घोषणा की गई, जिसमें **केरल ने** 'सिस्टेमेटिक प्रोग्रेसिव एनालिटिकल रियल टाइम रैंकिंग (Systematic Progressive Analytical Real Time Ranking- SPARK)' **श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया,** जिसके बाद उत्तर प्रदेश और राजस्थान का स्थान रहा।

पीएम स्वनिधि योजना

- **प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (Prime Minister Street Vendors Atma Nirbhar Nidhi- PM SVANidhi)** की घोषणा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आर्थिक प्रोत्साहन-II के एक भाग के रूप में की गई थी।
  - इसे 1 जून, 2020 से लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य कोविड-19 लॉकडाउन के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित अपनी आजीविका को फिर से शुरू करने के लिये स्ट्रीट वेंडर्स को सस्ती कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करना है, जिसके लिये 700 करोड़ रुपए का स्वीकृत बजट है।
- **लक्ष्य:**
  - शहरी क्षेत्रों में 24 मार्च, 2020 अथवा उससे पहले विक्रय करने वाले 50 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को लाभ पहुँचाना, जिसमें आस-पास के शहरी/ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल हैं।
  - प्रति वर्ष 1,200 रुपए तक की राशि तक कैश-बैक प्रोत्साहन के माध्यम से डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban Livelihoods Mission- DAY-NULM)

- यह मिशन **वर्ष 2014 में शुरू** किया गया था और इसका क्रियान्वयन **शहरी आवास एवं गरीबी उन्मूलन मंत्रालय** द्वारा किया जा रहा है।

नोट :

- इसका उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से स्थायी आजीविका के अवसरों को बढ़ाकर शहरी गरीबों का उत्थान करना है
- यह एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है।
- **केंद्र और राज्यों के बीच 75:25 के अनुपात में** वित्तपोषण साझा किया जाएगा। **पूर्वोत्तर और विशेष श्रेणी के लिये यह अनुपात 90:10 होगा।**
- इसके लक्षित लाभार्थी **शहरी गरीब (स्ट्रीट वेंडर, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले, बेघर, अपशिष्ट एकत्रित करने वाले), बेरोज़गार और दिव्यांग हैं।**

मध्य प्रदेश में जाँच के लिये CBI को लिखित सहमति की ज़रूरत

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार के अनुसार, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (Central Bureau of Investigation- CBI) को अपने **"लोक सेवकों" के खिलाफ जाँच** शुरू करने के लिये **लिखित अनुमति** की आवश्यकता होगी।

मुख्य बिंदु:

- **केंद्र सरकार के अधिकारियों या निजी व्यक्तियों** की जाँच के लिये किसी अनुमति की **आवश्यकता नहीं** होगी।
- भारतीय न्याय संहिता (नए आपराधिक कानून) के सुचारु संचालन के लिये लागू होने के बाद यह प्रावधान जारी किया गया है।
  - **पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पंजाब, तेलंगाना और केरल** जैसे राज्यों ने CBI जाँच के लिये अपनी **सामान्य सहमति वापस** ले ली है

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (Central Bureau of Investigation- CBI)

- CBI की **स्थापना गृह मंत्रालय के एक प्रस्ताव द्वारा की गई थी और बाद में इसे कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया गया,** जो वर्तमान में एक संबद्ध कार्यालय के रूप में कार्य कर रहा है।
- इसकी स्थापना की **सिफारिश** भ्रष्टाचार निवारण पर संथानम समिति द्वारा की गई थी।
- सीबीआई दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (Delhi Special Police Establishment- DSPE) अधिनियम, 1946 के तहत काम करती है। **यह न तो संवैधानिक है और न ही वैधानिक निकाय है।**
- यह **रिश्वतखोरी, सरकारी भ्रष्टाचार, केंद्रीय कानूनों के उल्लंघन, बहु-राज्य संगठित अपराध और बहु-एजेंसी** अथवा अंतर्राष्ट्रीय मामलों **से संबंधित मामलों** की जाँच करता है।

चाँदीपुरा वायरस

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, राज्य में **चाँदीपुरा वायरस** का कोई मामला सामने नहीं आया है।

- इससे पहले, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और विशेषज्ञों ने गुजरात, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में वायरल संक्रमण एवं एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम **(Acute Encephalitis Syndrome- AES)** के मामलों की समीक्षा की।

मुख्य बिंदु

- सूत्रों के अनुसार, मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग के पास इस **वायरस की पहचान करने के लिये सभी आवश्यक उपकरण और सुविधाएँ उपस्थित हैं,** जो AES के कारणों में से एक है।
- **एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (AES) चिकित्सकीय रूप से समान तंत्रिका संबंधी अभिव्यक्तियों का एक समूह है,** जो कई अलग-अलग वायरस, बैक्टीरिया, कवक, परजीवी, **स्पाइरोकेट्स, रसायनों/विषाक्त पदार्थों आदि** के कारण होता है।
- AES के ज्ञात वायरल कारणों में जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस (JEV), डेंगू, हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस और वेस्ट नाइल आदि शामिल हैं।

नोट :

चाँदीपुरा वायरस (CHPV)

- यह **रैबडोविरिडे फैमिली** का सदस्य है, जो देश के पश्चिमी, मध्य और दक्षिणी भागों में, विशेष रूप से मानसून के मौसम के दौरान, **छोटे स्तर के मामलों तथा प्रकोप** का कारण बनता है।
  - यह बीमारी रेत **मक्खियों और टिक्स जैसे वेक्टरों द्वारा संक्रमित** होती है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि वेक्टर नियंत्रण, स्वच्छता और जागरूकता ही इस बीमारी के विरुद्ध उपलब्ध एकमात्र उपाय है।
- वायरस के कारण होने वाला संक्रमण केंद्रीय तंत्रिका तंत्र तक पहुँच सकता है, जिससे **एन्सेफलाइटिस (Encephalitis)** हो सकता है- मस्तिष्क के ऊतकों में सूजन।
- **रोग की प्रगति इतनी तीव्र हो सकती है** कि रोगी को सुबह तीव्र बुखार हो सकता है तथा शाम तक गुर्दे या यकृत प्रभावित हो सकते हैं।
- यह संक्रमण मुख्यत: **15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों** तक ही सीमित रहा है।
- **लक्षण:**
  - CHPV संक्रमण में शुरू में फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, जैसे- **तीव्र बुखार, शरीर में दर्द और सिरदर्द।**
  - इसके बाद **यह संवेदी अंगों में परिवर्तन या** मिर्गी (एपिलेप्सी) **और एन्सेफलाइटिस (दिमागी बुखार)** का रूप ले सकता है।
  - श्वसन संबंधी परेशानी, रक्तस्राव की प्रवृत्ति या एनीमिया
  - एन्सेफलाइटिस के बाद संक्रमण अक्सर तेज़ी से बढ़ता है, जिसके कारण अस्पताल में भर्ती होने के 24-48 घंटों के भीतर मृत्यु हो सकती है।
- **उपचार:**
  - इस संक्रमण का **प्रबंधन केवल लक्षणात्मक** रूप से ही किया जा सकता है, क्योंकि **वर्तमान में इसके उपचार के लिये कोई विशिष्ट एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी या टीका उपलब्ध नहीं है।**

जबलपुर निवेशक सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के अनुसार, **जबलपुर में निवेशक शिखर सम्मेलन** में राज्य को **17,000 करोड़ रुपए के निवेश** प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 13,000 से अधिक रोज़गार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।

मुख्य बिंदु

- कपड़ा और रेडीमेड वस्त्र क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने हेतु **जबलपुर** में **आधुनिक कौशल विकास केंद्र** की स्थापना की जाएगी।
  - सम्मेलन में अशोक लीलैंड लिमिटेड और आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड ने **रक्षा विनिर्माण क्षेत्र** में **600 करोड़ रुपए** के समझौता ज्ञापन (Memorandum of Understanding) पर हस्ताक्षर किये।
  - सरकार ने राज्य भर में **कई औद्योगिक इकाइयों का उद्घाटन और शिलान्यास** भी किया है, जिनमें **कुल 1,500 करोड़ रुपए का निवेश** होगा तथा लगभग 4,500 रोज़गार उत्पन्न होंगे।
  - इसके अलावा, **ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वोल्वो आयशर द्वारा 1,500 करोड़ रुपए** तथा **हीडलबर्ग सीमेंट द्वारा 1,500 करोड़ रुपए की सीमेंट इकाई** के निवेश प्रस्तावों में शामिल हैं।
- मध्य प्रदेश सरकार **रीवा, सागर और ग्वालियर शहरों** में इसी तरह के शिखर सम्मेलन तथा **फरवरी 2025 में भोपाल में एक बड़े** वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन **की मेज़बानी करेगी।**
- इससे पहले **जनवरी 2024** में **उज्जैन में** इसी तरह का **शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था**, जिसमें अडानी समूह ने राज्य में 75,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की थी।

नोट :

उज्जयिनी मध्याह्न रेखा

चर्चा में क्यों ?

सामाजिक विज्ञान की कक्षा 6 की नई NCERT की पाठ्यपुस्तक के अनुसार, **भारत की अपनी एक प्रधान मध्याह्न रेखा थी** जो ग्रीनविच मध्याह्न रेखा **से काफी आगे थी** और इसे **"मध्य रेखा" कहा जाता था,** जो मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर से होकर **गुज़रती थी।**

मुख्य बिंदु:

- मध्य रेखा उज्जयिनी (आज का उज्जैन) शहर से होकर गुज़रती थी, जो कई शताब्दियों तक खगोल विज्ञान का एक **प्रतिष्ठित केंद्र** था।
  - लगभग 1,500 वर्ष पहले **प्रसिद्ध खगोलशास्त्री** वराहमिहिर यहीं रहते थे और काम करते थे।
- **भारतीय खगोलशास्त्री अक्षांश और देशांतर की अवधारणाओं से परिचित थे, जिनमें शून्य या प्रधान मध्याह्न रेखा की** आवश्यकता भी शामिल थी।
- **उज्जयिनी मध्याह्न रेखा** सभी **भारतीय खगोलीय ग्रंथों में गणना के लिये एक संदर्भ** बन गई।

वराहमिहिर (505-587 ई.)

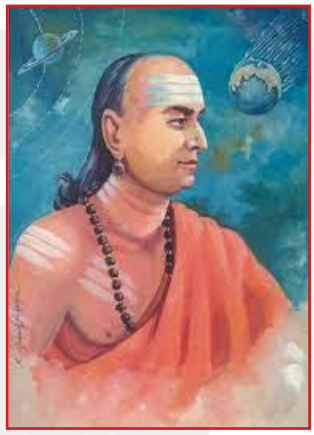

- वह एक प्रसिद्ध **खगोलशास्त्री, गणितज्ञ और ज्योतिषी थे**
- **उल्लेखनीय कार्य:**
  - **बृहत् संहिता** (खगोल विज्ञान, ज्योतिष, वास्तुकला, रत्न विज्ञान, कृषि, गणित और रत्न विज्ञान पर व्यापक कार्य)।
    - उन्होंने **ज्योतिष के प्रमुख पहलुओं जैसे कि कुंडली** आदि के बारे में लिखा।
    - वे **पंचसिद्धांतिका** (गणितीय खगोल विज्ञान पर पुस्तक) में यह बताने वाले पहले व्यक्ति थे कि **अयनांश** (विषुवों का पूर्वगमन) 50.32 सेकंड तक रहता है।
  - उन्होंने सबसे पहले **गुरुत्वाकर्षण** को एक आकर्षक "बल" के रूप में वर्णित किया, जो विभिन्न वस्तुओं को एक साथ बाँधता है।

मध्य प्रदेश ने प्रोजेक्ट चीता पर RTI जानकारी देने से किया इनकार

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **मध्य प्रदेश वन विभाग** ने अफ्रीका से लाए गए **चीतों** और भारत में जन्मे उनके शावकों **के प्रबंधन** पर सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत जानकारी देने से इनकार कर दिया है।

- **मुख्य बिंदु**
- विभाग ने वन्यजीव कार्यकर्त्ता के अनुरोध के जवाब में सूचना रोकने के लिये **सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 की धारा 8(1)(a)** का हवाला दिया।
- उन्होंने कहा कि प्रकटीकरण से **भारत की संप्रभुता**, अखंडता, सुरक्षा, रणनीतिक, वैज्ञानिक या आर्थिक हितों, किसी विदेशी राज्य के साथ संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है या अपराध को बढ़ावा मिल सकता है।
- राज्य वन विभाग से **"कूनो और मंदसौर में चीता परियोजना** के प्रबंधन पत्राचार रिकॉर्ड" उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

चीता पुनर्वास परियोजना

- भारत में चीता पुनर्वास परियोजना (Cheetah Reintroduction Project) औपचारिक रूप से 17 सितंबर, 2022 को शुरू हुई, ताकि **चीतों की आबादी** को बहाल किया जा सके, जिन्हें **वर्ष 1952 में देश में विलुप्त** घोषित कर दिया गया था।
- इस परियोजना में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से चीतों को मध्य प्रदेश के **कूनो राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित करना शामिल है।
- यह परियोजना राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा **मध्य प्रदेश वन विभाग,** भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) तथा नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के चीता विशेषज्ञों के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही है।

नोट :

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: *एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)*

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति: घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

एशियाई चीता

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को **मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट

चर्चा में क्यों ?

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने **मध्य प्रदेश** में **भीषण वर्षा के लिये रेड अलर्ट** जारी किया है। इसके अतिरिक्त **गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान और महाराष्ट्र में ऑरेंज अलर्ट जारी** किया गया है।

मुख्य बिंदु

- IMD नागरिकों को ऐसे गंभीर अथवा परिसंकटमय मौसम के बारे में सचेत करने के लिये **रंग-कोडित मौसम चेतावनियाँ** जारी करता है जो नुकसान, व्यवधान या जीवन के लिये खतरा उत्पन्न कर सकता है।
- यह मौसमी परिघटनाओं की गंभीरता के आधार पर **4 रंग-कोडित चेतावनियाँ** जारी करता है: जिसमें **ग्रीन, येलो, ऑरेंज/एम्बर और रेड** कलर शामिल हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग

- इसकी **स्थापना वर्ष 1875 में हुई** थी। यह देश की **राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा** और मौसम विज्ञान तथा संबद्ध विषयों से संबंधित सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है।
- यह भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** की एक एजेंसी के रूप में कार्य करती है।
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।
- IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन के **छह क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्रों** में से एक है।

मध्य प्रदेश में कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा प्रबंधों की जाँच

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को **राज्य में बेसमेंट में संचालित होने वाले कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण करने का निर्देश** दिया।

- **दिल्ली में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में जलभराव के कारण UPSC की परीक्षा देने वाले तीन अभ्यर्थियों की मृत्यु हो गई** जिसको दृष्टिगत रखते हुए यह आदेश दिया गया।

नोट :

मुख्य बिंदु

- राज्य के 16 नगर निगमों को अपने क्षेत्र में **कोचिंग संस्थानों, छात्रावासों या अन्य आवास सुविधाओं** और ऐसे **किसी भी प्रतिष्ठान** का निरीक्षण करने के निर्देश पहले ही जारी किये जा चुके हैं।
  - **राज्य सरकार ने नगर निकायों से** इस संबंध में **रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा** है।
- मध्य प्रदेश के कई शहरों जैसे- **भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर** में **UPSC, न्यायिक सेवा तथा JEE एवं NEET** सहित विभिन्न **प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये कई कोचिंग संस्थान** हैं।
- राज्य में एक सप्ताह से अधिक समय से भीषण वर्षा हो रही है और विदिशा, रायसेन तथा उज्जैन जैसे कई इलाकों में **बाढ़ के आसार** हैं।

गांधीनगर अभयारण्य में लाए जाएंगे चीते

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **मंदसौर ज़िले** के गांधी नगर अभयारण्य **में जल्द ही** चीते **लाए जाने की घोषणा** की।

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री ने विश्व बाघ दिवस के अवसर पर यह घोषणा की।
- 26 जनवरी, 2022 को **भारत और दक्षिण अफ्रीका ने** चीतों के पुनर्वास की सुविधा के लिये एक **समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये।**
  - यह समझौता ज्ञापन (MoU) **भारत में चीता की सुरक्षित संख्या** स्थापित करने की भारत की प्राथमिकता सुनिश्चित करता है।
  - इस प्रयास से **महत्त्वपूर्ण एवं व्यापक संरक्षण** की उम्मीद है।
  - इसका प्राथमिक लक्ष्य भारत के पर्यावास के भीतर **चीता की व्यवहार्य भूमिका को पुनः स्थापित करना** और स्थानीय समुदायों की आजीविका तथा आर्थिक स्थिति में सुधार करना।

नोट :

AFRICAN CHEETAH VS ASIATIC CHEETAH

AFRICAN CHEETAH

- **SCIENTIFIC NAME:** Acinonyx Jubatus
- **DISTRIBUTION:** Across Africa from North-west Africa, East Africa, & Southern Africa
- **SIZE:** Slightly bigger build with sturdier legs and neck
- **SKIN:** Light brown to golden brown fur color, thicker than the Asiatic ones
- **IUCN RED LIST STATUS:** Vulnerable

ASIATIC CHEETAH

- **SCIENTIFIC NAME:** Acinonyx Jubatus Venaticus
- **DISTRIBUTION:** Only 12 Asiatic cheetahs, 9 males, and 3 females are left in Iran
- **SIZE:** Slightly smaller and slender than the African cheetah
- **SKIN:** Buff to light fawn color bordering pale yellow skin, has more fur underbelly and back of neck
- **IUCN RED LIST STATUS:** Critically Endangered

नोट :

गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य

- **अवस्थिति**
  - वर्ष 1974 में अधिसूचित, यह अभ्यारण्य पश्चिमी मध्य प्रदेश के **मंदसौर और नीमच** ज़िलों में विस्तृत है, जो राजस्थान की सीमा से लगता है।
  - **चंबल नदी**, अभयारण्य को लगभग दो समान भागों में विभाजित करती है, जिसमें गांधी सागर बाँध अभयारण्य के भीतर स्थित है।
- **पारिस्थितिकी तंत्र**
  - इसके पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषता इसके **पर्वतीय क्षेत्रों** के साथ-साथ **उथली मृदा** है, जो **सवाना पारिस्थितिकी तंत्र** को संदर्भित करती है।
  - इसमें **शुष्क** पर्णपाती वृक्षों एवं झाड़ियों से घिरे **खुले घास स्थल** शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अभयारण्य के भीतर नदी घाटियाँ सदानीरा हैं।
- **चीतों के लिये आदर्श पर्यावास**
  - **केन्या** के सुप्रसिद्ध **मसाई मारा** राष्ट्रीय अभयारण्य से समानता के कारण, जो अपने सवाना वन एवं वन्यजीवन की विविधता के लिये विख्यात है, यह अभयारण्य चीतों के लिये एक उपयुक्त पर्यावास हैं।

लाडली बहना लाभार्थियों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार ने लाडली बहना योजना के लाभार्थियों को समग्र वर्ष **450 रुपए** की सब्सिडी दर पर **गैस सिलेंडर** प्रदान किये जाने की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **योजना की पृष्ठभूमि: लाडली बहना योजना** की शुरुआत पूर्व **मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान** ने की थी।
- **लाभार्थी:** यह सहायिकी महिला लाभार्थियों, विशेष रूप से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के तहत लाभार्थियों के लिये है।
- **रक्षाबंधन के त्योहार** पर लाभार्थियों को **250 रुपए** प्रदान किये जाएंगे।
- **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय** द्वारा राज्यसभा को दिये गए लिखित जवाब के अनुसार केंद्र सरकार **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)** के लाभार्थियों को प्रतिवर्ष 12 रिफिल तक **14.2 किलोग्राम LPG सिलेंडर पर 200 रुपए की लक्षित सब्सिडी** प्रदान कर रही है।
- इसके अतिरिक्त केंद्र ने **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY)** के सभी लाभार्थियों के लिये **लक्षित सब्सिडी को बढ़ाकर 300 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम LPG सिलेंडर कर दिया** है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) क्या है ?

- **परिचय:**
  - खाना पकाने के लिये लकड़ी, कोयला, गोबर के उपले आदि ईंधनों का उपयोग करने वाले ग्रामीण और वंचित परिवारों को **LPG** जैसे **स्वच्छ इंधन** उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MOPNG)** ने एक प्रमुख योजना के रूप में **'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' (PMUY)** की शुरुआत की।
  - खाना पकाने के पारंपरिक ईंधन के उपयोग का ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण पर भी हानिकारक प्रभाव पड़ता है।
- **उद्देश्य**
  - महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना।
  - भारत में खाना पकाने के लिये उपयोग की जाने वाले अशुद्ध ईंधन के कारण होने वाली मौतों की संख्या में कमी लाना।
  - जीवाश्म ईंधन जलाने से घर के अंदर वायु प्रदूषण के कारण होने वाली गंभीर श्वसन बीमारियों से छोटे बच्चों को बचाना।

नोट :

बेगम बिलकिस का मकबरा वक्फ की संपत्ति नहीं

चर्चा में क्यों

हाल ही में **मध्य प्रदेश** उच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि बुरहानपुर में स्थित **मुगल बादशाह शाहजहाँ की पुत्र वधु बेगम बिलकिस का मकबरा** सहित तीन प्राचीन स्मारक **वक्फ बोर्ड की संपत्ति** नहीं हैं।

मुख्य बिंदु

- **भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) का तर्क:** ASI ने तर्क दिया कि **शाह शुजा स्मारक, नादिर शाह का मकबरा और बीबी साहिबा की मस्जिद, प्राचीन संस्मारक परिरक्षण अधिनियम, 1904** के तहत प्राचीन एवं संरक्षित स्मारक हैं।
- **न्यायालय की टिप्पणी:**
  - न्यायमूर्ति **जी.एस. अहलूवालिया** ने कहा कि ये सभी संपत्तियाँ प्राचीन और संरक्षित स्मारक हैं तथा मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के CEO द्वारा इन्हें वक्फ संपत्ति घोषित किया जाना भौतिक अवैधता है।
  - ASI ने प्रस्तुत किया कि **प्राचीन संस्मारक परिरक्षण अधिनियम, 1904 की धारा 11** के अनुसार, आयुक्त स्मारक का संरक्षक होगा और ऐसे स्मारक के अनुरक्षण के उद्देश्य हेतु उसे स्वयं तथा उसके अभिकर्त्ता द्वारा सभी उचित समयों पर स्मारक तक पहुँच प्राप्त होगी।
  - "जब तक कि प्राचीन संस्मारक परिरक्षण अधिनियम, 1904 की धारा 14 के तहत संरक्षकता वापस नहीं ले ली जाती, तब तक इसे वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकता है।"
- **स्मारकों का विवरण:**
  - **शाह शुजा स्मारक:**
    - शाह शुजा स्मारक में **मुगल बादशाह शाहजहाँ के पुत्र शाह शुजा की पत्नी बेगम बिलकिस का मकबरा** है।
    - बेगम बिलकिस की मौत बेटी को जन्म देते समय हुई थी जिसके बाद बेगम को **बुरहानपुर** में दफनाया गया था
    - **खरबूजा महल** के नाम से भी जाना जाने वाला यह मकबरा "एक भव्य गुंबद से सुसज्जित है।" इसका आधार एक **उभरा हुआ वृत्ताकार चबूतरा** है और **यह पत्थर से बना है एवं इसका शेल मोर्टार से प्लास्टर किया गया है व चित्रों से सुसज्जित है।"**
  - **नादिर शाह का मकबरा:**
    - **नादिर शाह का मकबरा** एक "**विशाल मकबरा** है, जो एक उत्थित चबूतरे पर बना है" और इसमें आठ तोरणपथ हैं।" इस इमारत में तीन कब्रें हैं।
  - **बीबी साहिबा की मस्जिद**
    - **बीबी साहिबा की मस्जिद** जिसे **बीबी की मस्जिद** के नाम से भी जाना जाता है, का निर्माण **गुजरात के सुल्तान मुफ्फर शाह द्वितीय** की बेटी **रानी बेगम रोकैया** द्वारा लगभग 1529 ई. में पूरा करवाया गया था।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :